भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3117
दिनांक 07 अगस्त 2025

पेट्रोरसायन क्षेत्र का विकास

†3117. **श्री प्रदीप पुरोहितः**
श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः
डॉ. हेमांग जोशीः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा सहित देश भर में पेट्रोरसायन क्षेत्र के विकास के मुख्य/प्रमुख प्रेरक कौन-कौन से हैं;
(ख) भारतीय पेट्रोरसायन उद्योग में निवेश के मुख्य/प्रमुख अवसर कौन-कौन से हैं;
(ग) पेट्रोरसायन संयंत्रों की स्थापना से स्थानीय आबादी और देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभ क्या हैं;
(घ) तेल और गैस संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) पेट्रोरसायन उत्पादन में विस्तार करने के लिए अपनी मौजूदा अवसंरचना और विशेषज्ञता का किस प्रकार लाभ उठा रहे हैं;
(ङ) देश में तेल और गैस संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की वर्तमान पेट्रोरसायन उत्पादन क्षमता कितनी है; और
(च) क्या उपरोक्त प्रयोजनार्थ कई परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं और यदि हां, तो उनकी अनुमानित क्षमता के राज्य-वार ब्यौरे सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख) भारत में प्रति व्यक्ति पॉलिमर खपत वैश्विक औसत लगभग 38 किलोग्राम की तुलना में लगभग 15 किलोग्राम है। इस प्रकार, यह ओडिशा राज्य सहित देश में पेट्रोरसायन क्षेत्र के विस्तार के लिए अवसर प्रदान करता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बड़ी जनसंख्या (बढ़ता हुआ मध्यम-वर्ग सहित), विशाल घरेलू बाजार, बढ़ती हुई प्रयोज्य आय, तीव्र नगरीकरण एवं पैकेजिंग, निर्माण, ऑटोमोटिव, कपड़ा और अन्य आदि जैसे उपभोक्ता-उपयोग के क्षेत्रों की माँग से प्रेरित है। इसे सरकार की विभिन्न नीतिगत पहलों, जैसे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, पीसीपीआईआरएस (पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्रों) की स्थापना आदि से भी बल मिला है।

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) ने बताया है कि भारत का पेट्रोरसायन क्षेत्र अनुज्ञप्ति-मुक्त और विनियमन-मुक्त है और बाजार की माँग से प्रेरित है। 12 नेफ्था/डुअल-फीड क्रैकर कॉम्प्लेक्स प्रचालन में हैं और सात एरोमैटिक कॉम्प्लेक्स हैं। प्रमुख संयंत्र या तो रिफाइनरी के साथ एकीकृत हैं या एकल इकाइयाँ हैं। पेट्रोलियम, रसायन एवं पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) नीति को पेट्रोलियम, रसायन एवं पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्रों (पीसीपीआईआरएस) में निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजित करने हेतु अधिसूचित किया गया है। पीसीपीआईआरएस की संकल्पना एक क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण के साथ की गई है जिसमें व्यवसाय स्थापित करने के लिए एक अनुकूल प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान करने हेतु साझा अवसंचरना और सहायक सेवाएँ शामिल हैं। वर्तमान में, इन क्षेत्रों में निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा (पारादीप) सहित तीन पीसीपीआईआरएस अधिसूचित किए गए हैं।

पेट्रोरसायन क्षेत्र निवेश के अनेक अवसर प्रदान करता है। इनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड पेट्रोरसायन संयंत्रों की स्थापना; प्रमुख निर्माण सामग्री रसायनों का उत्पादन; विशिष्ट एवं प्रदर्शन रसायनों का उत्पादन; अनुसंधान एवं विकास प्रौद्योगिकी का विकास आदि शामिल हैं।

(ग) पेट्रोरसायन संयंत्रों की स्थापना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन सहित सामाजिक-आर्थिक लाभ के अवसर बने हैं। इससे सड़क, बिजली, आवास और स्वास्थ्य सेवा जैसी अवसंरचना का विकास भी होता है। इसके अलावा, ये निवेश इस क्षेत्र में आयात निर्भरता को कम करने, व्यापार घाटे को कम करने और कपड़ा, पैकेजिंग, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और ऑटोमोटिव आदि जैसे डाउनस्ट्रीम एमएसएमई क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहित करने में सहायक हैं।

(घ) भारत में तेल और गैस कंपनियाँ पहले से ही संबद्ध एकीकृत क्रैकर इकाइयों के माध्यम से विभिन्न पेट्रोरसायनों का उत्पादन कर रही हैं। इनमें से कई कंपनियों की क्षमता में वृद्धि के साथ वर्ष 2030 तक पेट्रोरसायनों का उत्पादन बढ़ाने की योजना है। इनमें पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी), ब्यूटाइल एक्रिलेट, हाई डेनसिटी पॉलीएथिलीन (एचडीपीई), लो डेनसिटी पॉलीएथिलीन (एलडीपीई), आइसोप्रोपिल अल्कोहल, एपॉक्सी, पॉलिएस्टर आदि के उत्पादन की परियोजनाएँ शामिल हैं।

(ङ) तेल और गैस पीएसयूज की वर्तमान पेट्रोरसायन उत्पादन की क्षमताएँ अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

(च) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयूज) और संयुक्त उद्यमों (जेवीज) द्वारा आगामी पेट्रोरसायन प्रतिष्ठान परियोजनाएँ अनुलग्नक-II में दी गई हैं।

*****

अनुलग्नक-I

"पेट्रोरसायन क्षेत्र का विकास" के संबंध में दिनांक 07.08.2025 **को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या** 3117 **के भाग (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक I**.

क्र. स.	**पीएसयू का नाम**	**पेट्रोकेमिकल्स (एमएमटीपीए)**
1	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)	4.30
2	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)	1.60
3	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल)	0.82
4	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)- (अपने संयुक्त उद्यम एचएमईएल - एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से)	2.20
5	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी)- (अपनी सहायक कंपनी ओपीएएल - ओएनजीसी पेट्रो एडिशन्स लिमिटेड के माध्यम से)	1.80
6	गेल (इंडिया) लिमिटेड (गेल)	0.90
7	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल)	0.30
	कुल	**11.9**

स्रोत: तेल और गैस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू)

*****

अनुलग्नक-II

"पेट्रोरसायन क्षेत्र का विकास" के संबंध में दिनांक 07.08.2025 **को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या** 3117 **के भाग (च) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।**.

कंपनी	स्थान (राज्य)	उत्पाद	क्षमता (केटीए)
आईओसीएल	गुजरात (वडोदरा)	पीवीसी और पीपी	200 & 500
	ओडिशा (पारादीप)	पीएक्स/पीटीए, पीवीसी, पीपी, एचडीपीई/एलएलडीपीई, आईपीए, फिनोल	1250, 600, 530, 1150, 208, 300
	ओडिशा (भद्रक)	पॉलिएस्टर फाइबर (पीओवाई, एफडीवाई)	300 (233+60)
	हरियाणा (पानीपत)	पीपी (पुनर्निर्मित + नया), मैलेइक एनहाइड्राइड, स्टाइरीन, एचडीपीई, पीबीआर	125+450, 120, 387, 200, 60
	बिहार (बरौनी)	पीपी	200
बीपीसीएल	मध्य प्रदेश (बीना)	पीपी, एचडीपीई/एलएलडीपीई	550, 1200
	केरल (कोच्चि)	पीपी	400
गेल	उत्तर प्रदेश (ऊसर)	पीपी, आईपीए	550
	उत्तर प्रदेश (पाटा)	पीपी	60
	कर्नाटक (मंगलौर)	पीटीए	1250
एचआरआरएल	राजस्थान (बाड़मेर)	पीपी, एचडीपीई/एलएलडीपीई	2000
एनआरएल	असम (नुमालीगढ़)	पीपी	360
पेट्रोनेट एलएनजी	गुजरात (दाहेज)	पीपी, प्रोपाइलीन	750

स्रोत: तेल और गैस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू)

*****